**भारत सरकार**

**नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 716**

**सोमवार, दिनांक 27 जुलाई, 2015 को उत्‍तर देने हेतु**

**छतों पर सौर पैनल लगाया जाना**

**716. श्री अम्बेथ राजनः** क्या **नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) सरकार द्वारा देश में सौर ऊर्जा का दोहन करने के लिए छतों पर सौर पैनल लगाए जाने को बढ़ावा देने/प्रोत्साहित करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) इस पहल के परिणाम का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का यह मत है कि अब तक उठाए गए कदम सौर ऊर्जा की सम्पूर्ण संभावना का दोहन करने के लिए पर्याप्त हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्‍तर**

**विद्युत, कोयला तथा नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार)**

 **(श्री पीयूष गोयल)**

1. : सरकार द्वारा देश में ग्रिड संबद्ध सौर रूफटाप प्रणालियों की संस्‍थापना को बढ़ावा देने/प्रोत्साहित करने के लिए निम्‍नलिखित कदम उठाए गए हैं:
* 40000 मेगावाट पीक क्षमता की संस्‍थापना का लक्ष्‍य निर्धारित किया गया है
* गैर-व्‍यावसायिक तथा गैर-औद्योगिक श्रेणियों के लिए घरेलू सौर पैनलों का उपयोग करने हेतु 15 % सरकारी सब्‍सिडी
* औद्योगिक और वाणिज्यिक भवनों के लिए त्‍वरित मूल्‍यह्रास के लाभ
* रियायती सीमा शुल्‍क और उत्‍पाद शुल्‍क से छूट
* 10 वर्षों का करावकाश
* गृह निर्माण ऋण/ गृह पुनरोद्धार ऋण के भाग रूप में बैंक द्वारा ऋण का प्रावधान
* भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्‍था (इरेडा) की ओर से प्रणाली समाकलकों के लिए रियायती ब्‍याज दर (9.9 % से 10.75 % तक) पर ऋण
* लोगों के लिए ऋण देने हेतु प्राथमिकता वाले क्षेत्र के अंतर्गत 10 लाख रू. तक के ऋण उपलब्‍ध हैं
* 19 राज्‍यों/ संघ राज्‍य क्षेत्रों के विद्युत विनियामक आयोगों ने ग्रिड से जुड़ाव (कनेक्‍टीवीटी), नेट मीटरिंग/फीड-इन शुल्‍क-दर प्रणाली के लिए विनियम अधिसूचित किए हैं ।

(ख) : देश में अभी तक 360 मेगावाट पीक क्षमता की परियोजनाएं मंजूर की गई हैं जिसमें से 54 मेगावाट पीक क्षमता की परियोजनाएं संस्‍थापित की गई हैं।

(ग) और (घ) : राष्‍ट्रीय सौर ऊर्जा संस्‍थान द्वारा लगभग 748 गीगावाट सौर विद्युत की संभाव्‍यता अनुमानित की गई है। सौर ऊर्जा की पूर्ण संभाव्‍यता का दोहन करना एक प्रमुख चुनौती है और इसलिए सरकार की ओर से इस दिशा में और अधिक उत्‍साह के साथ तथा बल देते हुए प्रयास किए जाएंगे।

**..............**